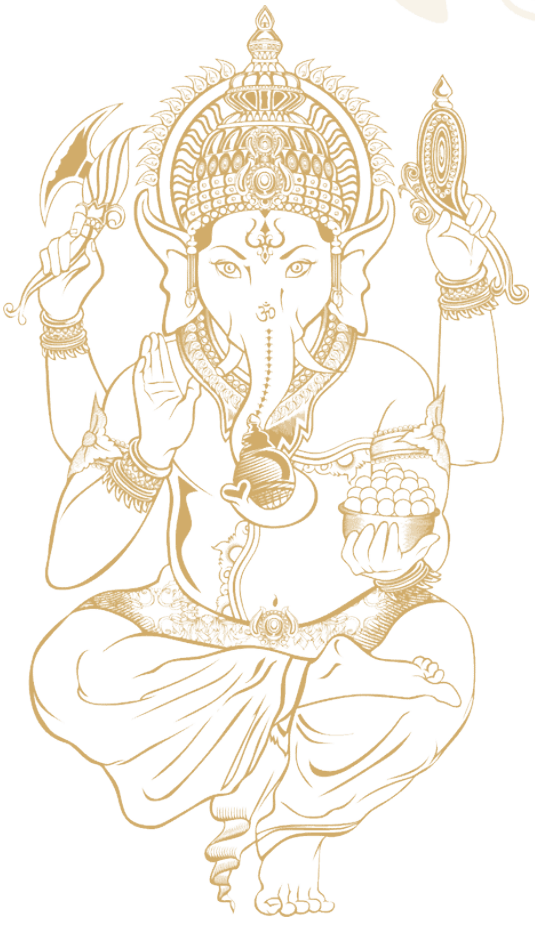

Mr.rahul

Ms. Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119635902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/04/1994	जन्म तिथि	4-05/06/2001
सोम-मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 06:07:00	जन्म समय	01:45:00 घंटे
घटी 59:56:09	जन्म समय(घटी)	50:54:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	05:23:16
18:40:25	सूर्यास्त	19:15:48
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:19

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि		19:48:10	मीन	लग्न	मीन	12:15:37	शनि 15वर्ष 6मा 25दि	
राहु		21:13:22	मीन	सूर्य	वृष	20:23:05	बुध	
19/02/2008		14:09:56	मक	चंद्र	वृश्चि	05:44:24	30/12/2016	
18/02/2026		28:38:15	कुंभ	मंगल व	धनु	01:35:58	30/12/2033	
राहु	01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध व	मिथु	06:04:40	बुध	28/05/2019
गुरु	27/03/2013	18:59:53	तुला व	गुरु	वृष	27:24:33	केतु	25/05/2020
शनि	01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र	मेष	04:38:03	शुक्र	25/03/2023
बुध	20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि	वृष	11:49:20	सूर्य	30/01/2024
केतु	08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	12:32:26	चन्द्र	30/06/2025
शुक्र	07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	12:32:26	मंगल	28/06/2026
सूर्य	02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष व	कुंभ	00:57:01	राहु	14/01/2029
चन्द्र	31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप व	मक	14:44:32	गुरु	22/04/2031
मंगल	18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:02:25	शनि	30/12/2033

लग्न-चलित

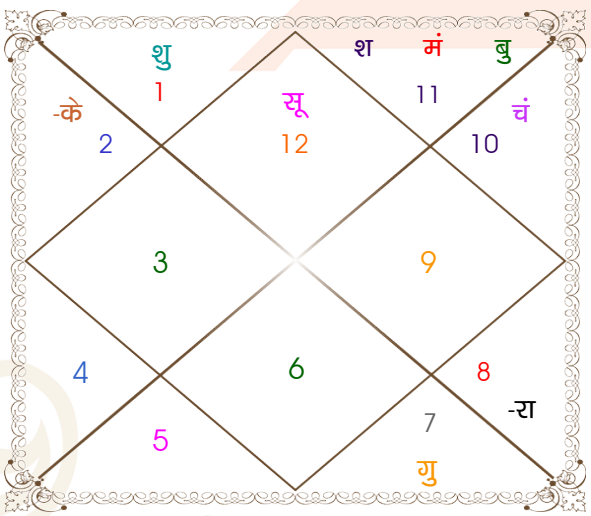

लग्न-चलित

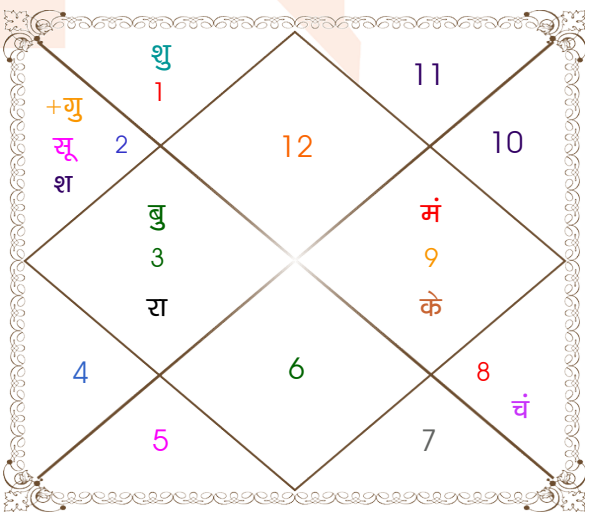

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्तीनस का वर्ग मार्जार है तथा डेण क्वींदीतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस और डेण क्वींदीतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

डेण क्वींदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण क्वींदीतप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तीनस तथा डेण क्वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।